भारत वह देवभूमि, जहाँ देवी-देवताओं का राज था

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय में पहुंचे देशभर से राजा-महाराजाओं के वंशज

आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। संस्थान के मनमोहिनी वन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय रॉयल फैमिली स्पिरिचुअल रिट्रिट का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें देशभर से राजा-महाराजा घराने के वंशज और रॉयल फैमिली के सदस्यों ने भाग लिया। स्वागत सत्र में रॉयल हैरिटेज, रॉयल फ्यूचर वीडियो प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। इसमें स्वर्णिम युग की झलक दिखाई गई। सभी राजाओं-महाराजाओं का शाही अंदाज़ में स्वागत किया गया।

उद्घाटन सत्र में ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि यह जीवन अमूल्य है। इसे सेवा और परमात्मा की याद में सफल करना है। अपनी वास्तविक पहचान को जानना है कि हम सभी आत्माएं हैं और यह जीवन महान कार्यों, दिव्य कार्यों के लिए मिला है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि जल्द ही भारत स्वर्णिम भारत बनने वाला है क्योंकि भारत ही वह देवभूमि है जहाँ देवी-देवता राज करते थे। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने कहा कि परमात्मा के घर में आप सभी राजा-महाराजाओं का स्वागत है। यह भगवान का घर, आपका घर है। अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान का मुख्य उद्देश्य है स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन। अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि देशभर के राजघराने के परिवार के सदस्यों को यहाँ देखकर बहुत खुशी हो रही है। आप सभी यहाँ आते रहें। डॉ. प्रताप मिड्ढा ने भी सम्बोधित किया।

शाही परिवार के राजा-महाराजा बोले

○ महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री व डोंडाइचा के शाही परिवार के जयकुमार रावल ने कहा कि हमारा राजपरिवार और ब्रह्माकुमारीज समाज कल्याण, मानव कल्याण के कार्य में लगी हुई है।

○ उदयपुर के महाराजा विश्वराज सिंह बहादुर ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज परिवार और हमारे राजघराने का पुराना रिश्ता रहा है। संस्थान का उद्देश्य आध्यात्मिक जागरण और प्रगति है। लोग अध्यात्म से जुड़ें, यही समय की मांग है। यदि अध्यात्म और वैज्ञानिकता एक हो जाए तो दुनिया को बहुत फायदा होगा। मौके पर महारानी महिमा कुमारी भी मौजूद रहीं।

○ सरगुजा-अंबिकापुर,छत्तीसगढ़ के महाराज व छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री त्रिभुवनेश्वर शरण सिंह देव ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज परिवार से मैं हृदय से जुड़ा हूं। संस्थान, लोगों में नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिकता की शिक्षा देने के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। मौके पर युवराज आदित्येश्वर शरण सिंह देव भी मौजूद रहे।

○ रामपुर,उत्तरप्रदेश के नवाब सैयद मोहम्मद काज़िम अली खान बहादुर ने कहा कि मुझे यहीं आने का अवसर मिला मैं बहुत खुश हूं।

○ हैदराबाद के आसफ जाही राजवंश के निज़ाम नवाब रौनक यार खान ने कहा कि हैदराबाद में ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रमों में जाने का मौका मिला। संस्थान, सामाजिक बदलाव के लिए अच्छा कार्य कर रही है।

○ महारानी मधुराक्षी सिंह के साथ आये बूंदी के महाराव राजा वंशवर्धन सिंह ने कहा कि मुझे यहाँ आकर आंतरिक शान्ति की अनुभूति होती है।

○ किशनगढ़,राजस्थान की महारानी मीनाक्षी देवी ने कहा कि माउंट आबू अध्यात्म की भूमि है। यहाँ आकर बहुत खुशी हो रही है।

○ सिरोही,राजस्थान के शाही परिवार के महाराजा देवव्रत सिंह बहादुर ने कहा कि महाभारत के इतिहास में वशिष्ठ आश्रम का बड़ा महत्व है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान बहुत ही सराहनीय सेवा कर रही है। मौके पर युवराज ईश्वर सिंह भी मौजूद रहे।

○ राजपिपला,गुजरात के युवराज मानवेन्द्र सिंह गोहिल ने कहा कि मैंने यू.एस. में ब्रह्माकुमारीज का पीस विलेज सेंटर देखा है। वहाँ जाने से अद्भुत शान्ति की अनुभूति होती है। संस्थान 'विश्व एक परिवार है' का दिव्य संदेश पूरे विश्व में दे रहा है।

इन राजघरानों के राजा-महाराजा भी रहे मौजूद– राजस्थान के मारवाड़ राजघराने के महाराजा गज सिंह,जोधपुर, मारवाड़ राजघराने की महारानी हेमलता राजे, तेलंगाना के जाटप्रोले संस्थानम के राजा साहब आदित्य लक्ष्मण राव, भरतपुर,राजस्थान की महारानी दिव्या सिंह और युवराज अनिरुद्ध सिंह, भरतपुर हेरिटेज होटल व लक्ष्मी विलास पैलेस के निदेशक राव राजा रघुराज सिंह, ओडिशा की परलाखेमुंडी गंगा राजवंश की महारानी कल्याणी गजपति, सिरमौर,हिमाचल प्रदेश की रानी कुंजना सिंह, झालावाड़,राजस्थान के राजा राजेन्द्र सिंह राजावत और कुंवरानी मरुधर कुंवर, ठिकाना बनिया राजावत, मध्यप्रदेश के दतिया के महाराज लोकेन्द्र अरुणादित्य सिंह जू देव बहादुर, गुजरात,दांता के महाराणा साहेब रिद्धिराज सिंह, छोटा उदेपुर,गुजरात के महाराजा जयप्रतापसिंह वी. चौहान और महारानी तनवीर चौहान, मध्यप्रदेश,ओरछा के राव राजा विश्वजीत सिंह जू देव और कुंवर पार्थ सिंह जू देव, गुजरात मितली आनंद के शाही परिवार गोहिल बलवीर सिंह, दिलीप सिंह एवं गोहिल कल्पनाबा बलवीर सिंह,कनेटी सानंद, गुजरात के शाही परिवार के जीतेन्द्र सिंह वाघेला और नयनाबा वाघेला, वाघवान के शाही परिवार के कुंवर सुधीर सिंह झाला और कुंवर रानी शक्तिदेवी झाला, गनोद-सौराष्ट्र गुजरात की कुंवर रानी हंसिनीदेवी डी. जाडेजा, जालिम-विलास परिवार जोधपुर की कुंवर रानी मीरा देवी, अभिजीत सिंह राठौड़, दत्तला पार्वती देवी और दत्तला वेंकट सत्यनारायण राजू, मोगल्तुरु के जमींदार मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता ज़रूरी: रियर एडमिरल हारा

भारतीय नौसेना रक्षा नागरिकों के लिए तीन दिवसीय आध्यात्मिक सशक्तिकरण रिट्रीट का आयोजन

गुरुग्राम-ओआरसी(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर में भारतीय नौसेना रक्षा नागरिकों के लिए आयोजित तीन दिवसीय रिट्रीट में आध्यात्मिक सशक्तिकरण विषय पर भारतीय नौसेना के रियर एडमिरल आदित्य हारा ने कहा कि किसी भी कार्य में उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता ज़रूरी है। भारत विभिन्न संस्कृतियों का देश होते हुए भी आध्यात्मिक रूप से एक है। उन्होंने आगे कहा कि आध्यात्मिकता केवल व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं बल्कि देश की सुख-समृद्धि के लिए भी ज़रूरी है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान आध्यात्मिक मूल्यों के आधार से विश्व में शान्ति एवं प्रेम का संचार कर रहा है। नौसेना रक्षा नागरिकों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि वे जो कुछ भी यहाँ सीखें उसे जीवन में ज़रूर अपनाएं। संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि जीवन में असली खेल हमारे विचारों का है, शारीरिक स्वास्थ्य से भी ज़रूरी मानसिक स्वास्थ्य है। हमारा व्यक्तिगत जीवन जितना अच्छा होगा उतने ही अच्छे ढंग से हम देश व समाज की सेवा कर सकते हैं। बाहरी परिस्थितियों का सामना करने के लिए आंतरिक शक्ति ज़रूरी है। जो आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही सम्भव है। संस्थान के सुरक्षा सेवा प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान ही सच्चा मार्गदर्शक है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही मन स्वस्थ एवं खुशहाल रहता है। भारतीय नौसेना के कैप्टन शिव कुमार ने संस्थान के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सेना के सेवानिवृत्त कर्नल बीसी सती ने किया। कार्यक्रम में 120 से भी अधिक भारतीय नौसेना रक्षा नागरिकों ने शिरकत की और रिट्रीट का लाभ लिया।

रक्तदान करना सर्वश्रेष्ठ पुनित कार्य है: सांसद शंकर लालवानी

इंदौर-न्यू पलासिया(म.प्र.)। दादी प्रकाशमणि जी भले आज शरीर रूप में हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी प्रेरणा हमारे साथ है। दादी ने आजीवन विश्व भर में समाज की सेवा की और आज उनके पुण्य स्मृति पर यह पुनीत कार्य किया जा रहा है, यह बहुत ही सराहनीय है। उक्त विचार सांसद शंकर लालवानी ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा न्यू पलासिया स्थित ज्ञानशिखर में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर के उद्घाटन में रखे। इंदौर जोन की क्षेत्रीय निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने बताया कि पूरे भारत और नेपाल में 22 से 25 अगस्त तक विशाल रक्तदान महाअभियान चलाया जा रहा है जिसमें 1 लाख यूनिट रक्त एकत्रित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। संपूर्ण डायग्नोस्टिक सेंटर की डायरेक्टर डॉ. साधना सोडाणी ने कहा कि अगर रक्त देने के काबिल हो तो जीते जी रक्तदान और मरने के बाद नेत्रदान अवश्य करें। एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नेन्द्र वर्मा ने कहा कि रक्तदान करते रहना चाहिए। एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, एम.वाय. हॉस्पिटल व सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव, कस्टम विभाग के अपरायुक्त डॉ. दिनेश बिसेन, समाजसेवी गिरीश लुल्ला, एम.वाय. हॉस्पिटल के ब्लड बैंक के विभागाध्यक्ष डॉ. रानू ठाकुर, डॉ. नितिन अजमेरा आदि ने भी रक्तदान का महत्व बताते हुए अपनी शुभकामनाएं दी।

भ्रांतियों को खत्म कर हमें रक्तदान करना चाहिए

बिलासपुर छ.ग.। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रकाशमणि दादी की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारम्भ सभी अतिथियों के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। एस.ई.सी.एल. के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूँ कि दादी की पालना का अनुभव आज भी महसूस होता है। उनका स्मृति दिवस- विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित रक्तदान महाअभियान में सभी को बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। विधायक सुशांत शुक्ला,बेलतरा ने कहा कि रक्तदान महाअभियान के द्वारा मानव शरीर के लिए रक्त बीज की व्यवस्था सबसे बड़ा सामाजिक सरोकार है। महापौर पूजा विधानी ने कहा कि रक्तदान के बारे में भ्रांतियों को खत्म कर हमें रक्तदान करना चाहिए। सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. मंजू ने कहा कि आत्मा और रक्त में कोई जाति, धर्म का भेद नहीं होता। उन्होंने आगे बताया कि शिविर में कुल 162 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month
स्वामी - आर.ई.आर.एफ. प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नाईकोटी द्वारा मैग्निस ऑफसेट, 1, 101-2, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) में मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शांतिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org